मॉरिशस में भारत के उच्चायुक्त द्वारा मॉरिशस के प्रवासी भारतीय समुदाय के लिए आयोजित स्वागत समारोह में भारत के राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द का संबोधन

मॉरीशस, 13 मार्च, 2018

1. मुझे प्रवासी भारतीय समुदाय और भारत मित्रों की इस गरिमामय उपस्थिति के बीच बहुत खुशी हो रही है। मेरे साथ स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री, श्री अश्विनी चौबे और चार सांसदों का एक शिष्टमंडल आया है। मुझे आपसे यह कहना ही है कि आपने अपने खूबसूरत देश में, हमें वास्तव में विशेष होने की अनुभूति करवाई है। मेरा और मेरे शिष्टमंडल का अत्यंत गर्मजोशी और प्यार के साथ स्वागत किया गया है। मॉरिशस में ़कदम रखने के बाद से ही मैं जिस किसी समारोह में गया हूं, मैंने अपने पूर्वजों के रिश्तों, अपने पारिवारिक रिश्तों की सहृदयता और सद्भावना को महसूस किया है। मैं इस प्रेमाभिव्यक्ति के लिए सचमुच आभारी हूं।

2. कल मुझे मॉरिशस की स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ से जुड़े समारोह में शामिल होने का सम्मान प्राप्त हुआ। मैंने इस शानदार समारोह का पूरे दिल से आनंद लिया। मैं खुशियों में निहित आत्म-गौरव और विनम्रता की गहरी भावना से अभिभूत हुआ। इस ऐतिहासिक अवसर पर मैं एक बार फिर आपको शुभकामनाएं और बधाई देता हूं।

मित्रो,

3. पिछले 50 वर्षों में, मॉरिशस के लोगों ने प्रचुर आशावाद और प्रगति से ओत-प्रोत एक लोकतांत्रिक, बहुलवादी और बहुजातीय समाज का निर्माण किया है। इस छोटे परंतु ऊर्जावान देश की आर्थिक उपलब्धियां सराहनीय हैं। बहुत से लोग कहते हैं कि, आपने धरती पर स्वर्ग बना दिया है। पीढ़ी दर पीढ़ी दूरदर्शी नेताओं के बुद्धिमत्तापूर्ण मार्गदर्शन में, मॉरिशस के लोगों ने इस द्वीपीय-राष्ट्र को हिन्द महासागर को शांति व समृद्धिपूर्ण टापू में बदल दिया है।

मित्रो,

4. हम दो अलग-अलग देश हैं, परंतु मूलत: एक ही हैं। हमारी सभ्यतागत जड़ें साझी हैं। किसी अन्य देश या समाज से कहीं ज्यादा आपके साथ हमारी समानता है। हमारी परंपराएं, रंग-रूप और त्योहार एक जैसे हैं। हमारी प्रेरणा, प्रोत्साहन और अन्तर्भूत शक्ति का उद्भव एक ही स्रोत से होता है। हम दोनों के लिए, महात्मा गांधी गौरव के एक चिरस्थायी स्रोत हैं। उनका संदेश और संघर्ष दाण्डी की रेत पर नहीं रुका, बल्कि पूरी शक्ति से मॉरिशस के तटों तक भी पहुंचा।

5. मुझे हमारे रक्त संबंधों के प्रतीक आप्रवासी घाट के दर्शन करने और इसकी ऐतिहासिक 16 सीढ़ियाँ चढ़ने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह उन मॉरिशसवासियों के बलिदान, साहस और उम्मीद के प्रति श्रद्धांजलि है, जो उन्होंने पिछले लगभग 200 वर्ष के दौरान दर्शाई है। भारत में घाट का एक विशेष अर्थ होता है। घाट हमें हमारे लोकाचार और आध्यात्मिकता के साथ जोड़ता है। मुझे बताना ही है कि जब मैं आप्रवासी घाट पर था तो मुझे वहां पर तीर्थ यात्रा जैसी अनुभूति हुई। यह वास्तव में मेरे लिए एक रोमांचक अनुभव था।

6. भारत में हम अपने उन भाइयों और बहिनों की उल्लेखनीय सफलताओं से खुश होते हैं जो पीढ़ियों पहले भारत से प्रवास पर चले गए और जिन्होंने उच्च भौतिक और आध्यात्मिक प्रगति हासिल की है। अनादि काल से हम साथ-साथ सौहार्द, शांति और एकता के साथ रहने में विश्वास करते आए हैं। भारतीय जीवन और समाज 'वसुधैव कुटुम्बकम' अर्थात् 'संपूर्ण विश्व ही हमारा परिवार है' के ध्येय पर चलता आया है। मॉरिशस जिसके साथ हमारा खून-पसीने का रिश्ता है, के लिए यह बात उतनी ही सच है।

मित्रो

7. आज भारत अपने प्रवासी समुदाय के साथ पहले से ज्यादा जुड़ना चाहता है। हम उनसे जुड़ना और उन्हें अपनाना चाहते हैं और ऐसा करते हुए आपसी प्रगति व समृद्धि के लिए एक दूसरे का हाथ थामना चाहते हैं। इस उद्देश्य से, हमने अपनी ओसीआई 'ओवरसीज सिटिजनशिप ऑफ इंडिया' योजना में मॉरिशस के लिए विशेष प्रावधान किए हैं। मैं आज भारतीय प्रवासी समुदाय के अनेक विशिष्ट सदस्यों को ओसीआई कार्ड

सौंपते हुए अपने आप को आनंदित महसूस कर रहा था। हमें पूर्ण उम्मीद है कि हम इन पैतृक संबंधों को और घनिष्ठ बना पाएंगे।

8. मैं आपमें से हर एक को दिल्ली में प्रवासी भारतीय केन्द्र के कार्यक्रमों में आने और भाग लेने के लिए आमंत्रित करता हूं। यह केन्द्र, हमारे प्रवासी समुदाय के प्रत्येक सदस्य के लिए भारत में एक घर, एक पते की तरह है। मुझे खुशी है कि युवा मॉरिशसवासियों ने पहले से ही केन्द्र के साथ जुड़ना शुरू कर दिया है। इस वर्ष के शुरू में, जनवरी में, हमने वैश्विक प्रवासी भारतीय समुदाय सांसद सम्मेलन में आपके अनेक सांसदों की मेज़बानी की थी। हमें भारत और विश्व के भिन्न-भिन्न भागों के अन्य लोगों के साथ जुड़ने के लिए अपने प्रवासी समुदाय के नेटवर्क और मंचों का उत्तरोत्तर अधिक प्रयोग करना चाहिए।

मित्रो,

9. आज भारत और मॉरिशस दोनों सुदृढ़ लोकतंत्र है तथा ऊर्जस्वित, बहु-पंथीय और बहुजातीय समाज हैं, जिन्हें सहिष्णुता व सामाजिक सौहार्द का प्रतीक माना

जाता है। भारत की प्रगति में, विविधता हमारी ताकत रही है। और लोकतंत्र ने इसे पुष्पित और समृद्ध किया है। समावेशी आर्थिक विकास और प्रगति के साथ लोकतांत्रिक मूल्यों में जातीयता की, पंथ की दूरियां या किसी अन्य संभावित मतभेद-विभेद को पाटने की ताकत है। लोकतांत्रिक देशों के तौर पर हमें विविधता और अपनी जड़ों को पोषित करना चाहिए।

मित्रो,

10. भारत में मेरी सरकार का ध्येय 'सबका साथ, सबका विकास' है। यह ध्येय मॉरिशस के साथ हमारी विकासात्मक साझेदारी का मूलभूत सिद्धांत रहा है। हम जनसाधारण की बेहतरी को बढ़ाने वाली अवसंरचना परियोजनाओं के माध्यम से एक दृढ़तर मॉरिशस के निर्माण में अपने भाइयों और बहिनों की मदद करना चाहते हैं। कल ऐसी कुछ परियोजनाओं का उद्घाटन करने का सम्मान मुझे प्राप्त हआ था। मुझे उम्मीद है कि इनसे मॉरिशस समाज के प्रत्येक वर्ग को खुशहाली और आनंद प्राप्त होगा। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप भारत के साथ, इसके आर्थिक विकास

और नई ऊर्जा के साथ जुड़ें। आपने शानदार आर्थिक प्रगति की है और हम तीव्र आर्थिक प्रगति के पथ पर हैं। हमें अपने-अपने पथों पर एक-दूसरे का पूरक बनना चाहिए।

महामहिमगण और मित्रो,

11. हिन्द महासागर ने हमें अनेक प्रकार से जोड़ा है। यह हमारे बीच एकीकरण कराने वाली ताकत है। एक स्थिर और शांतिपूर्ण हिन्द महासागर भारत और मॉरिशस दोनों के हित में है। हमें इस साझे उद्देश्य को सुनिश्चित करने और इसे हासिल करने के लिए मिलकर प्रयास और कार्य करना चाहिए।

12. भारत और मॉरिशस ने सदैव एक दूसरे का साथ दिया है। 'आप्रवासी घाट' और 'भोजपुरी गीत गवई' के लिए यूनेस्को से समुचित मान्यता प्राप्त करने के प्रयासों में मॉरिशस की मदद करने पर भारत को खुशी हुई है। हम चाहते हैं कि हमारे गौरवान्वित प्रवासी समुदाय के सदस्यों के रूप में, आप विश्व स्तर पर भारतीय चिंतन और रीति-रिवाजों की प्रस्तुति में न केवल हमारे अपने

बल्कि व्यापक हित के लिए निरंतर सहायता करते रहें। आखिरकार आज सभी लोग योग को पसंद कर रहे हैं।

महानुभावो,, मित्रो, देवियो और सज्जनो,

13. मैं एक बार फिर मॉरिशस में रह रहे प्रवासी भारतीय समुदाय और भारतीयों को अपनी हार्दिक बधाई देता हूं। आप समृद्ध विविधता, सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं वाले भारत के सच्चे प्रतिबिम्ब हैं। हमें आप पर और आपकी उपलब्धियों पर गर्व है।

14. इन्हीं शब्दों के साथ, मैं आपको और आपके परिवारों के आपके सभी प्रयासों में तथा भावी वर्षों में वृहत्तर सफलता व समृद्धि के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

धन्यवाद।